Sl. No.	Names of the lead Banks & Districts allotted to them	Sectoral Outlays (Rs. In lakhs)		
		Sector	D.C.P. 1980-82	Action Plan 1980
3.	Junagadh	Agriculture . . .	2700·70	1553·99
		Industries . . .	1182·64	573 14
		Services . . .	360·43	146 95
		Total	4243·77	2274 08
4.	Amreli	Agriculture . . .	2301·61	348·76
		Industries . . .	2904·40	74 60
		Services . . .	133·25	44 26
		Total	5339·26	467 62
5.	Bhavnagar	Agriculture . .	2712·10	1659·81
		Industries . . .	1479·68	320 29
		Services . . .	190·44	58 98
		Total	4382·22	2039 08
6.	Surendranagar	Agriculture . . .	1915·00	1265·27
		Industries . . .	294 05	105·10
		Services . . .	133·26	45·82
		Total	2342·31	1416·19

कालीनों का निर्यात

3099. **श्री अनिल बशर:** क्या वाणिज्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) उत्तर प्रदेश में वाराणसी और मिर्जापुर जिलों से प्रतिवर्ष कितने मूल्य के कालीनों का निर्यात किया जाता है;

(ख) देश से कुल निर्यात की तुलना में इसका प्रतिशत कितना है;

(ग) क्या सरकार का विचार समूचे वाराणसी डिवीजन में कालीन बुनने के काम का बड़े पैमाने पर विस्तार करने का है; और

(घ) यदि हां तो तत्सम्बन्धी ब्यौरा क्या है?

वाणिज्य मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री जियाउर रहमान अंसारी): (क) से (घ). निर्यात आंकड़े जिलावार नहीं रखे जाते हैं अत: वाराणसी एवं मिर्जापुर के जिलों से कालीनों के निर्यात के आंकड़े अलग से उपलब्ध नहीं हैं।

हाथ से गांठ लगाकर कालीन बनाने का उद्योग अधिकांशत: उत्तर प्रदेश, कश्मीर घाटी, राजस्थान, मध्यप्रदेश तथा आंध्र प्रदेश

में केन्द्रित हैं। इस क्षेत्र में हमारी एक कठिनाई यह रही है कि कालीन उद्योग में प्रशिक्षित कारीगरों का अभाव है। इस समस्या पर काबू पाने के लिए भारत सरकार ने वर्ष 1976 में कालीन की बुनाई के लिए एक व्यापक प्रशिक्षण कार्यक्रम मंजूर किया, जिसे अखिल भारतीय हथकरघा बोर्ड द्वारा क्रियान्वित किया जाएगा। वर्ष 1978-79 तक बोर्ड ने 734 कालीन बुनाई प्रशिक्षण केन्द्र स्थापित कर दिये थे और लगभग 45,000 युवकों तथा युवतियों को प्रशिक्षित किया।

छठी पंचवर्षीय योजनावधि में भी इस योजना को चालू रखने का प्रस्ताव है।

वाराणसी में पर्यटकों के लिये सस्ते होटल

3100. **श्री जेनुल बशर:** क्या पर्यटन और नागर विमानन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या पर्यटन की दृष्टि से वाराणसी के महत्व को ध्यान में रखते हुए सरकार का विचार वहां सस्ते होटल खोलने का है;

(ख) यदि हां, तो इस दिशा में क्या कार्यवाही की जा रही है; और

(ग) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

पर्यटन और नागर विमानन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री चन्दूलाल चन्द्राकर): (क) और (ख). यद्यपि केन्द्रीय सैक्टर के अंतर्गत वाराणसी में सस्ते होटलों के निर्माण का फिलहाल कोई प्रस्ताव नहीं है, तथापि भारत पर्यटन विकास निगम जो 50 कमरों वाले होटल वाराणसी अशोक का परिचालन कर रहा है; 30 लाख रुपये की अनुमानित लागत पर 36 कमरों की वृद्धि करके इस होटल का विस्तार कर रहा है। विस्तार-कार्य प्रगति पर है।

(ग) दिल्ली में यात्री-निवास परियोजना के चालू हो जाने के पश्चात उसके परिचालन संबंधी परिणामों का दो-तीन वर्षों तक अध्ययन करने के बाद ही केन्द्रीय सैक्टर के अन्तर्गत वाराणसी में और अन्य केन्द्रों पर यात्री निवास जैसे सस्ते होटलों के निर्माण पर विचार किया जाएगा।

Computerised Reservation System in I.A. and A.I.

3101. SHRI DIGVIJAY SINH: Will the Minister of TOURISM AND CIVIL AVIATION be pleased to state:

(a) when will the Indian Airlines and Air India introduce a computerised reservation system;

(b) how much will it cost; and

(c) what has been the annual loss due to lack of such equipment?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF TOURISM AND CIVIL AVIATION (SHRI CHANDULAL CHANDRAKAR): (a) It is expected that the computerised reservation system will be introduced in Indian Airlines by middle of 1981. Air-India has already installed a UNIVAC 1100/12 Computer system in Bombay for providing computerised reservations facilities to stations of Air-India. Air-India expects to put the system in operation by early 1981.

(b) The Computer system cost Air-India Rs. 4.24 crores. Government approval for an expenditure of Rs. 2.80 crores on installation of similar system in Indian Airlines has been conveyed.

(c) It is not possible to quantify the annual estimated loss due to lack of such equipment.

Star Hotel in Coimbatore

3102. SHRI ERA MOHAN: Will the Minister of TOURISM AND CIVIL AVIATION be pleased to state:

(a) whether there is any proposal to provide Star hotels in Coimbatore